Title: Need for overall development of Sitab-Deara, Uttar Pradesh birth place of Lok Nayak Jai Prakash Narayan.

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : अध्यक्ष महोदय, मैं सदन का ध्यान सम्पूर्ण क्रान्ति के प्रणेता श्री जयप्रकाश नारायण की जन्मभूमि सिताब दियरा की ओर आकृष्ट करना चाहता हूं। लोकनायक की जन्मभूमि आजादी के पाच दशकों के बाद भी प्रशासनिक उपेक्षा का शिकार है एवं प्राकृतिक प्रकोपों बाढ़, आपदा आदि के कारण धीरे-धीरे अपना अस्तित्व खोती जा रही है। कुछ वर्षों पहले तक २५ हजार की आबादी का १६ खण्डों में बंटा, यह गांव हर वर्ष बाढ़ की चपेट में आने के कारण आज मात्र दस खण्डों का ग्राम रह गया है एवं ६ खण्ड सरयू नदी द्वारा हर वर्ष कटाव के कारण सरयू नदी में विलीन हो गए हैं तथा वहां के स्थानीय निवासियों को आज बसने के लिए जमीन का आभाव हो गया है। मेरी केन्द्र सरकार से मांग है कि प्रतिवर्ष बाढ़ की विभीषिका से इस ऐतिहासिक गांव को बचाने के लिए एक केन्द्रीय समिति गठित कर इस गांव का सर्वेक्षण कराया जाए एवं सरयू नदी द्वारा इस ग्राम के कटाव को रोकने के लिए यहां बांध निर्माण कराया जाए अथवा नदी की धार को अन्य दिशा देने हेतु समुचित प्रयास किया जाए।

महोदय, मैं एक और अन्य महत्वपूर्ण बिन्दू की ओर सदन का ध्यान आकृष्ट करना चाहूंगा। सरयू नदी के पाल बसे होने के कारण बिहार प्रदेश के सीमाक्षेत्र में पड़ने वाले इस ग्राम का राज्य सरकार के प्रयासों के बावजूद विद्युतीकरण नहीं हो पाया है। बिहार प्रदेश के सीमा क्षेत्र का यह गांव उत्तर प्रदेश के बलिया जिले से सट है, जहां इस गांव को मात्र दो-तीन किलोमीटर क्षेत्र के विद्युतीकरण के साथ ही विद्युत आपूर्ति संभव है। महाश्य, लोक नायक जयप्रकाश जैसे महान सपूतों की जन्मभूमि को राज्यों की संकुचित सीमा से नहीं जोड़ा जाना चाहिए एवं मैं केन्द्र सरकार से अनुरोध करना चाहूंगा कि इस गांम के विद्युतीकरण हेतु केन्द्र उत्तर प्रदेश सरकार को निर्देश दे, ताकि सिताब-दियरा ग्राम का अविलम्ब विद्युतीकरण संभव हो सके।

&nbs